पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

तलाक की खबरों पर नेहा कक्कड़ ने तोड़ी चुप्पी


मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

# उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 269 ■ बुधवार 21 जनवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com


# उल्हासनगर में महायुति का महापौर !

## सत्ता का खेल अपने अंतिम पड़ाव पर

## उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बयान से शहर की राजनीति में भूचाल

**उल्हासनगर.** म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में सत्ता बनाने का खेल जहां अहम मोड़ पर है, वहीं डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के बयान ने उल्हासनगर की पॉलिटिक्स में भूचाल ला दिया है। शिंदे के इस पक्के दावे के बाद कि 'उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का मेयर महायुति पार्टी से होगा', इस बात के साफ संकेत मिल रहे हैं कि BJP और शिवसेना एक साथ आएंगे। इससे पर्दे के पीछे की एक्टिविटीज़ में एक बार फिर तेज़ी आ गई है, और ऐसा लग रहा है कि सत्ता का खेल अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में किसी भी पार्टी को साफ बहुमत नहीं मिला। BJP ने 37 सीटें जीतीं, जबकि शिवसेना ने कांटे की टक्कर में 36 सीटें जीतीं। वंचित बहुजन अघाड़ी ने दो सीटें जीतीं, और कांग्रेस, साई पार्टी और एक इंडिपेंडेंट कैंडिडेट ने एक-एक सीट जीती। 78 मेंबर वाली हाउस में बहुमत के लिए 40 का आंकड़ा तक पहुंचने के लिए छोटी पार्टियों और इंडिपेंडेंट कैंडिडेट्स का सपोर्ट बहुत ज़रूरी था। इस चुनाव के बाद कुछ समय तक वंचित बहुजन आघाड़ी 'किंगमेकर' की भूमिका में रही। वंचित के दो नगरसेवकों के शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा के साथ ही शिंदे सेना की संख्या 40 तक पहुंच गई और यह लगभग तय हो गया था कि शिवसेना का महापौर बनेगा।

राजनीतिक गणित ऐसा था कि भाजपा विपक्ष की बेंच पर बैठेगी। ऐसे में, सोमवार (19) को उपमुख्यमंत्री शिंदे का यह दावा कि उल्हासनगर का महापौर महायुति से होगा, महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चर्चा है कि इस बयान ने भाजपा-शिवसेना महागठबंधन का एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। इसलिए, ऐसे संकेत हैं कि भाजपा और शिवसेना के बीच तालमेल की कोशिशें फिर से शुरू हो गई हैं।

### महागठबंधन बना तो 'वंचितों' का क्या होगा?

अगर BJP–शिवसेना का महागठबंधन बना तो सत्ता को मज़बूत करने में वंचित बहुजन अघाड़ी की क्या भूमिका होगी, यह एक अहम सवाल होगा। चुनाव के बाद कुछ समय तक वंचित 'किंगमेकर' की भूमिका में था; हालांकि, अगर महागठबंधन बनता है तो उसका राजनीतिक वज़न काफ़ी कम होने की संभावना है, हालांकि सत्ता की स्थिरता के लिए वंचितों का समर्थन एक अहम फ़ैक्टर बना रहेगा। वंचित विकास प्रोजेक्ट, दलित बस्ती सुधार योजनाओं और वार्ड–वाइज़ मुद्दों को हल करने के लिए सत्ताधारी पार्टी पर दबाव डाल सकते हैं।

### ...तो महापौर शिवसेना का होगा!

अगर महानगरपालिका में भाजपा–शिवसेना का महागठबंधन बनता भी है, तो महापौर का पद शिवसेना के पास ही रहने की संभावना ज्यादा है। वंचित बहुजन आघाड़ी के दो नगरसेवकों और अन्य दलों से पहले से मिले समर्थन ने शिवसेना को बहुमत तक पहुंचा दिया है। BJP के पास 37 सीटें हैं, लेकिन वह अकेले बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई है। राज्य में शिवसेना के सत्ता में रहने के साथ मेयर का पद अपने पास रखने पर ज़ोर है। महागठबंधन में BJP को डिप्टी मेयर और ज़रूरी पद देकर तालमेल की संभावना है।

# मनपा चुनाव में 'नोटा' की अहम रही भूमिका

| प्रभाग क्र. | नोटा |
|---|---|
| प्रभाग क्र. 1 | 1997 |
| प्रभाग क्र. 2 | 2027 |
| प्रभाग क्र. 3 | 2026 |
| प्रभाग क्र. 4 | 1192 |
| प्रभाग क्र.5 | 1731 |
| प्रभाग क्र.6 | 2553 |
| प्रभाग क्र. 7 | 1604 |
| प्रभाग क्र. 8 | 2022 |
| प्रभाग क्र. 9 | 1374 |
| प्रभाग क्र. 10 | 1310 |
| प्रभाग क्र. 11 | 2759 |
| प्रभाग क्र. 12 | 2215 |
| प्रभाग क्र. 13 | 3921 |
| प्रभाग क्र. 14 | 1937 |
| प्रभाग क्र. 15 | 1913 |
| प्रभाग क्र. 16 | 2064 |
| प्रभाग क्र. 17 | 1996 |
| प्रभाग क्र. 18 | 1873 |
| प्रभाग क्र. 19 | 1841 |
| प्रभाग क्र. 20 | 857 |

■ उल्हासनगर में 39,222 वोट पड़े नोटा को

**उल्हासनगर,** इस बार वोटरों की नाराज़गी उम्मीदवारों से ज़्यादा साफ़ दिखी। उल्हासनगर मनपा चुनाव में वोटरों ने 'नोटा' को वोट देकर पॉलिटिकल पार्टियों को सीधा आईना दिखाया। कुल 39,222 वोट पड़े।

उल्हासनगर म्युनिसिपल चुनाव सिर्फ़ जीतने वाले उम्मीदवारों की लिस्ट नहीं थी, बल्कि एक बड़ा पॉलिटिकल रिकॉर्ड था जिसने वोटरों के दिलों की कड़वाहट को सामने ला दिया। वार्ड नंबर 1 से 20 की सभी सीटों A, B, C और D को मिलाकर देखें तो NOTA को 39,222 वोट पड़े। यह आंकड़ा शहर की पॉलिटिक्स के लिए गंभीर आत्मनिरीक्षण की ज़रूरत को दिखाता है।

वार्ड के हिसाब से देखें तो वार्ड 13 में सबसे ज़्यादा 3,921 वोट पड़े, जबकि वार्ड 20 में सबसे कम 857 वोट पड़े। इसके अलावा, वार्ड 11 में 2,759 NOTA वोट, वार्ड 6 में 2,553, वार्ड 12 में 2,215 और वार्ड 8 में 2,022 NOTA वोट डालकर वोटरों की नाराज़गी साफ़ ज़ाहिर हुई। ये आंकड़े लोकल मुद्दों की अनदेखी, उम्मीदवारों की इमेज और पार्टी के काम करने के तरीकों से नाराज़गी को दिखाते हैं।

इस चुनाव की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कई वार्ड में जीत-हार का अंतर NOTA वोटों से भी कम था। वार्ड 4 (A) में जीत सिर्फ़ 16 वोटों से हुई, जबकि वहां 251 NOTA वोट पड़े। वार्ड 7 (A) में 38 वोटों से जीत के बावजूद 315 वोटरों ने NOTA का ऑप्शन चुना। वार्ड 9 (A) में 209 वोटों के अंतर की तुलना में 497 NOTA वोट पड़े। वार्ड 15 (D) में अरुण आशान ने BJP के धनंजय बोडारे को सिर्फ़ 164 वोटों से हराया; लेकिन, इस वार्ड में भी 579 NOTA वोट पड़े। इन सभी आंकड़ों से एक बात साफ़ है: अगर NOTA वोट किसी एक उम्मीदवार के पक्ष में जाते, तो कई वार्डों के नतीजे बदल जाते।

# उल्हासनगर मनपा में 50% मराठी नगरसेवक

## क्या बदलेंगे सत्ता के समीकरण?

**उल्हासनगर.** कभी 'सिंधियों का शहर' कहे जाने वाले उल्हासनगर में मराठी नगरसेवक 50% तक पहुंच गए हैं। कुल 78 सीटों में से 39 पर मराठी नगरसेवक चुने जाने के बाद, अब उल्हासनगर में भी मुंबई की तरह मराठी महापौर की मांग जोर पकड़ रही है।

बंटवारे के समय बेघर हुए सिंधी समुदाय को कल्याण के पास ब्रिटिश-काल के मिलिट्री कैंप और खुली जगह में बसाया गया था। बेघर हुए लोगों के इस कैंप का नाम उल्हासनगर शहर के पास बहने वाली उल्हास नदी की वजह से पड़ा। हालांकि सिंधी समुदाय का अभी भी शहर के कल्चर पर काफी असर है, लेकिन पिछले कुछ सालों में आबादी में तेजी से बदलाव आया है। सिंधी परिवार बेहतर सुविधाओं की तलाश में ठाणे, कल्याण और अंबरनाथ जैसे शहरों में जा रहे हैं। इस वजह से, जहां उनकी संख्या कम हो रही है, वहीं मराठी और उत्तर भारतीय समुदायों की आबादी बढ़ी है।

### ■ पार्टी और समुदाय के हिसाब से संख्या बल

मनपा चुनाव के नतीजों के बाद, 78 मराठी पार्षदों में से 39, यानी 50 प्रतिशत मराठी, चुने गए। जबकि 29 सिंधी पार्षद, यानी 37 प्रतिशत सिंधी, चुने गए। सिख और उत्तर भारतीय-बंगाली पार्षदों की संख्या 5-5 है।

### ■ शिंदे सेना और ओमी टीम- 36 सीटें

शिंदे सेना और ओमी टीम के 36 पार्षद चुने गए हैं, 36 में से 22 पार्षद मराठी हैं। 8 सिंधी, 4 सिख और उत्तर भारतीय और बंगाली पार्षद हैं।

### ■ BJP - 37 सीटें

37 पार्षदों में से 20 सिंधी, 13 मराठी, 1 सिख और 3 उत्तर भारतीय/बंगाली पार्षद हैं।

### ■ अन्य -5 सीटें

चुने गए बाकी 5 कॉर्पोरेटर में से वंचित बहुजन अघाड़ी के सभी 4 कॉर्पोरेटर-2, कांग्रेस-1 और इंडिपेंडेंट-1 मराठी हैं, जबकि साई पार्टी का 1 कॉर्पोरेटर सिंधी कम्युनिटी से है।

### मराठी महापौर की मांग

उल्हासनगर के इतिहास में सिंधी कम्युनिटी का पॉलिटिक्स में दबदबा रहा है। लेकिन, अब क्योंकि आधे नगरसेवक 39 मराठी हैं, इसलिए लोकल मराठी नेताओं और मराठी कम्युनिटी को लगता है कि जिसके पास सबसे ज़्यादा संख्या हो, वही मेयर बने। जैसे मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में मराठी पहचान का मुद्दा सेंटर में है, वैसा ही माहौल अब उल्हासनगर में भी दिख रहा है।

# उल्हासनगर के 'विकास' में पड़ गई दरारें

**उल्हासनगर.** हाल ही में करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क कुछ ही दिनों में दरारें पड़ गई हैं, जबकि उसी सड़क को कुछ दूर फिर से खोद दिया गया है। उल्हासनगर में कुर्ला कैंप कालीमाता मंदिर के सामने और वार्ड कमेटी नंबर 4 के सामने MMRDA द्वारा किए गए सड़क के काम की खराब हालत सामने आई है। सोशल एक्टिविस्ट एड. प्रशांत चंदनशिव ने इस लापरवाही पर कड़ा गुस्सा जताया है।

उल्हासनगर शहर में कुर्ला कैंप कालीमाता मंदिर के सामने और वार्ड कमेटी नंबर 4 के सामने MMRDA द्वारा हाल ही में सड़क का काम पूरा किया गया था। लेकिन, यह साफ देखा गया कि कुछ ही दिनों में इस सड़क पर बड़ी संख्या में दरारें आ गई हैं।

नतीजतन, नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठ गया है। इससे ड्राइवरों और पैदल चलने वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जैसे-जैसे दरारें बढ़ रही हैं, संबंधित जगहों पर मरम्मत का काम शुरू किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि नई बनी सड़क को अभी कुछ दूर आगे फिर से खोद दिया गया है। इससे ट्रैफिक जाम बढ़ गया है, धूल और मिट्टी का लेवल बढ़ गया है और स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है।

**करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क कुछ ही दिनों में टूट गई। दूसरी तस्वीर में उन्हीं दरारों की मरम्मत की जा रही है।**

### काम की क्वालिटी पर सवालिया निशान

एड. चंदनशिव ने इस घटना पर कड़े शब्दों में अपनी नाराज़गी जताई। नई सड़क में इतनी जल्दी दरार आना काम की क्वालिटी पर गंभीर सवालिया निशान लगाता है। सरकारी पैसे की ऐसी बर्बादी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मांग की कि संबंधित कॉन्ट्रैक्टर को ज़िम्मेदार ठहराया जाए और जांच की जाए। स्थानीय लोगों ने भी इस काम पर नाराज़गी जताई है और तुरंत क्वालिटी रिपेयर, काम की टेक्निकल जांच और भविष्य में ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए सख्त कंट्रोल सिस्टम लागू करने की मांग की है। अब शहर के लोगों का ध्यान इस बात पर है कि प्रशासन और MMRDA इस पर क्या कदम उठाते हैं।

# नशे में की दोपहिया जलाने की कोशिश

**कल्याण.** सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने नशे में धुत एक युवक की पहचान करण उर्फ कालू खेरवार के रूप में की है, जिसने कथित तौर पर एक दोपहिया वाहन को आग लगाने का प्रयास किया था।

कोलसेवाडी के पुलिस निरीक्षक गणेश न्हायदे ने बताया कि आरोपी युवक शराब के नशे में था और उसने सड़क किनारे खड़ी दोपहिया को नुकसान पहुंचाने के इरादे से उसे जलाने की कोशिश की। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों की सतर्कता और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई, जिससे आरोपी की पहचान संभव हो सकी।

कोलसेवाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को सबूत के तौर पर कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

# उल्हासनगर में निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया

**उल्हासनगर.** महानगर पालिका के आम चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो गई है और 78 नगरसेवक चुने गए हैं। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान उल्हासनगर में नियुक्त छह चुनाव निर्णय अधिकारियों के पारदर्शी और नियमित काम की हर जगह तारीफ हो रही है।

उल्हासनगर मनपा के लिए चुनाव आयोग द्वारा भेजे गए इन अधिकारियों ने कानून और चुनाव नियमों का सख्ती से पालन करते हुए काम करके उम्मीदवारों और राजनीतिक पार्टियों का भरोसा जीता है। गौरतलब है कि जहां कुछ दूसरी महानगर पालिकाओं में चुनाव निर्णय अधिकारियों के काम करने के तरीकों को लेकर शिकायतें और नाराजगी जताई जा रही है, वहीं उल्हासनगर में अनुभव अच्छा रहा है। कुल 20 वार्डों में चुनाव की जिम्मेदारी इन छह चुनाव निर्णय अधिकारियों को सौंपी गई थी। इनमें चुनाव निर्णय अधिकारी नंबर 1

बालासाहेब तिड़के, नंबर 2 गणेश सांगले, नंबर 3 विशाल जाधव, नंबर 4 विजयकुमार वाकोडे, नंबर 5 मुकेश पाटिल और नंबर 6 संजय शिंदे शामिल थे। इन सभी अधिकारियों ने नॉमिनेशन पेपर लेने, जांच करने, चुनाव निशान बांटने, वोटिंग प्रोसेस को आसानी से चलाने और गिनती करने और नतीजे घोषित करने समेत चुनाव आयोग द्वारा सौंपे गए सभी काम कानून के दायरे में और ट्रांसपेरेंट तरीके से किए।

### प्रशासन से भी तारीफ

जहां मुंबई, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली नगर निगमों में चुनाव अधिकारियों के काम करने के तरीकों को लेकर शिकायतें मिली हैं, वहीं उल्हासनगर में म्युनिसिपल कमिश्नर मनीषा अव्हाले, चीफ इलेक्शन इंस्पेक्टर नीलेश गतने और इलेक्शन इंस्पेक्टर रवींद्र ठाकरे ने ईमानदारी से अपना काम करने के लिए खास तौर पर अधिकारियों की तारीफ की है। साथ ही, सभी छह चुनाव अधिकारियों को उम्मीदवारों और अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की तरफ से बधाई दी जा रही है। यह उम्मीद जताई जा रही है कि उल्हासनगर में चुनाव प्रोसेस राज्य के लिए एक अच्छी मिसाल कायम कर रहा है।

## आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर के आगमन पर जोरदार स्वागत

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर 5 में आयोजित होने जा रहे उल्हासउत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर जी का महाराष्ट्र में आगमन हुआ. इसी क्रम में बदलापूर स्थित हेलिपैड पर उनके आगमन के अवसर पर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया.

इस अवसर पर विधायक कुमार आयलानी ने श्री श्री रवि शंकर जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया. स्वागत के दौरान पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण और उत्साह देखने को मिला. इस मौके पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी श्री श्री रवि शंकर जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया. श्री श्री रवि शंकर जी के आगमन से हेलिपैड परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ. उल्लेखनीय है कि उल्हासनगर 5 में आयोजित उल्हास उत्सव कार्यक्रम को लेकर नागरिकों में विशेष उत्साह का माहौल है. कार्यक्रम के माध्यम से आध्यात्मिक जागरूकता, शांति एवं सद्भाव का संदेश समाज तक पहुंचने की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है.

# अंबरनाथ रेल पादचारी पुल बना डंपिंग ग्राउंड

■ 26 जनवरी से पूर्व पुल को साफ करने की मांग

■ 6 महिने से नहीं हुई है सफाई

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ में मध्य रेल द्वारा बनाया गया पादचारी पुल, जो पूर्व-पश्चिम को जोड़ता है, इस पुल को अवैध फेरीवालों ने कचरे का डंपिंग ग्राउंड बना दिया है. इस पुल पर एवं सीढ़ियों पर कचरे का ढेर जमा हो गया है. अंबरनाथ नपा स्वच्छता विभाग अथवा रेलवे सफाई विभाग की ओर से 6 महिने हो गए हैं. साफ सफाई नहीं की गई है. इस पादचारी पुल पर से हजारों लोग एवं रेल मुसाफिर आते-जाते हैं. जिनका आरोग्य धोखे में आ गया है. भारतीय नव वर्ष स्वागत यात्रा समिति अंबरनाथ ने मुख्याधिकारी एवं नगराध्यक्षा को इसकी लिखित शिकायत करते हुए कहा है कि इस कचरे के कारण एवं लोगों द्वारा पान की पिचकाली एवं

गुटखा थूकने और कुत्तों द्वारा गंदगी करने से पादचारियों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है. 26 जनवरी से पूर्व इस पुल पर से कचरे को साफ करने की मांग की गई है. नववर्ष स्वागत यात्रा के साबे काका ने बताया कि हमने नपा को लिखा है कि साफ सफाई मुहिम में उनके कार्यकर्ता भी भाग लेने के इच्छुक हैं. रेलवे ने खर्च करके इस पादचारी पुल का निर्माण किया है. पुल पर से प्लेटफार्म पर चढ़ने उतरने का काम गत कई महिनों से शुरू है. जब से ये पुल बना है, तब से आज तक पादचारी पुल की गंदगी एवं कचरे को साफ नहीं करने से यहां पर कचरे का ढेर एवं गंदगी जमा हो गई है.

# बदलापुर नपा कथोरे समर्थकों के हाथ में

■ सभी विषय समिति BJP-NCP गठबंधन को

**बदलापुर.** कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल की छह विधय समितियों के चुनाव हाल ही में हुए। इस चुनाव में सभी छह समिति सभापति BJP और NCP गठबंधन को मिलीं और छह में से चार समिति पर MLA किसन कथोरे के सपोर्टर्स सभापति बने हैं। इसलिए, महापौर पद समेत नपा का पूरा कामकाज कथोरे समर्थकों के हाथ में है।

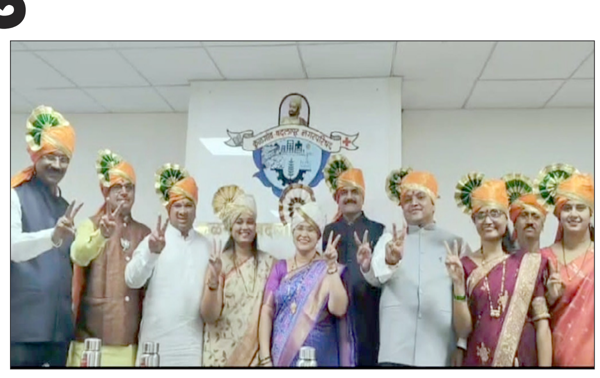

कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल चुनाव में MLA किसन कथोरे, जिन्होंने पहली बार काउंसिल चुनाव में अपना दबदबा साबित किया, ने इस बात का ध्यान रखा कि पॉलिटिकल लाइनें उनके हाथ में ही रहें। कथोरे, जो पहले म्युनिसिपल काउंसिल से दूरी बनाए हुए थे, काउंसिल चुनाव से पहले ही एक्टिव हो गए। उन्होंने म्युनिसिपल काउंसिल के पुराने नेताओं पर करप्शन का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि करप्शन को हर कोने से उजागर किया जाएगा। इसकी एक झलक चुनाव कैंपेन में भी देखने को मिली। आखिर में कथोरे ने म्युनिसिपैलिटी में BJP का मेयर बनवा दिया। इसके लिए उन्होंने नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की भी मदद ली।

इसके बाद, रुचिता घोरपड़े को मेयर और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की प्रियंका दामले को डिप्टी मेयर बनाया गया। इसके बाद, हाल ही में म्युनिसिपल काउंसिल के सब्जेक्ट कमिटी चेयरमैन और स्टैंडिंग कमिटी मेंबर चुने गए। इस चुनाव के लिए BJP कैंडिडेट ने अपने नॉमिनेशन पेपर फाइल किए। इसलिए, यह चुनाव बिना किसी विरोध के हुआ और सभी चेयरमैन के पद BJP-नेशनलिस्ट गठबंधन के खाते में चले गए।

BJP के बदलापुर ईस्ट सिटी प्रेसिडेंट रमेश सोलसे को पब्लिक वर्क्स कमिटी का चेयरमैन, BJP के बदलापुर वेस्ट सिटी प्रेसिडेंट किरण भोईर को सैनिटेशन, मेडिकल और पब्लिक हेल्थ कमिटी का चेयरमैन, BJP के ठाणे डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी संभाजी शिंदे को प्लानिंग और डेवलपमेंट कमिटी का चेयरमैन, और शैलेश वडनेर को वॉटर सप्लाई और ड्रेनेज कमिटी का चेयरमैन चुना गया है। BJP की प्रणिता कुलकर्णी को महिला और बाल कल्याण कमेटी का चेयरपर्सन और BJP की रिद्धिता घोरपड़े को डिप्टी चेयरपर्सन चुना गया। साथ ही, डिप्टी मेयर प्रियंका दामले को एक्स-ऑफिशियो चेयरपर्सन के तौर पर एजुकेशन कमेटी का चेयरपर्सन चुना गया है।

### स्टैंडिंग कमेटी मेंबर्स का चुनाव

BJP ग्रुप लीडर शरद तेली, BJP कॉर्पोरेटर राजेंद्र धुले और शिवसेना शहर प्रेसिडेंट वामन म्हात्रे को स्टैंडिंग कमेटी का मेंबर चुना गया है। सब-डिविजनल ऑफिसर विजयानंद शर्मा इस चुनाव के लिए प्रेसाइडिंग ऑफिसर थे, जबकि चीफ ऑफिसर मारुति गायकवाड़ असिस्टेंट ऑफिसर थे। ज़्यादातर चुने गए चेयरपर्सन MLA किसन कथोरे के पक्के सपोर्टर माने जाते हैं। इसलिए, कहा जाता है कि चेयरपर्सन के चुनाव में BJP MLA किसन कथोरे का असर था।

# अंबरनाथ मुस्लिम जमात अध्यक्ष पद पर यूसुफ के. शेख चुने गए


▸▸उल्हास विकास संवाददाता


**अंबरनाथ.** अंबरनाथ मुस्लिम जमात, मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर ट्रस्टी यूसुफ कासिम शेख को चुना गया है. शनिवार को हुए चुनाव में गुप्त मतदान के बाद युसुफ शेख को अध्यक्ष घोषित किया गया है. अंबरनाथ पुलिस के बंदोबस्त में अध्यक्ष पद का चुनाव दर्गा के पास मुस्लिम जमात के कार्यालय में संपन्न हुआ. इस संबंध में नव नियुक्त अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए दो ट्रस्टी उम्मीदवार आरिफ काजी और यूसुफ शेख थे. ट्रस्टियों ने गुप्त मतदान किया. जिसमें

यूसुफ को ज्यादा वोट मिले. जिसके कारण वह अध्यक्ष पद के विजयी उम्मीदवार बन गए. पूर्व अध्यक्ष हाजी सलीम चौधरी ने उन्हें बधाई दी है. अध्यक्ष की चेंज रिपोर्ट वक्फ बोर्ड औरंगाबाद को भेजने का निर्णय लिया है.

विदित हो कि एक वर्ष पूर्व जनवरी 2025 में मुस्लिम जमात का चुनाव वक्फ बोर्ड महाराष्ट्र, चैरिटी कमिश्नर ने कराया था. 15 ट्रस्टियों के एक ग्रुप को मुस्लिम जनता ने वोट देकर चुना था. सलीम चौधरी को अध्यक्ष बनाया गया था. लेकिन किसी कारण से ट्रस्टियों ने आपस में चुनाव लेकर यूसुफ कासिम शेख को अध्यक्ष चुना है. उन्होंने कहा है कि मुस्लिम जमात द्वारा संचालित तीन मस्जिदों, दर्गा एवं कब्रस्तान एवं मुस्लिम समाज के कार्य और सेवा के लिए वह दिन रात एक कर देंगे.

**जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि**

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

## लाचार व्यवस्था या संवेदनहीन प्रशासन

हादसे किसी चूक का नतीजा हो सकते हैं, लेकिन यह संभव है कि इसकी पृष्ठभूमि में ऐसी व्यवस्थागत लापरवाहियां हों, जिनकी आमतौर पर अनदेखी कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 150 में शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण एक कार पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में सत्ताईस वर्षीय युवक की जान चली गई।

इसे रोजाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की तरह देखा जा सकता है, लेकिन हादसे के बाद युवक की मौत से पहले जैसी स्थिति सामने आई, उससे साफ है कि आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए गठित तंत्र किस दुर्दशा और लापरवाही का शिकार है।

इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है कि पानी से भरे गड्ढे में अपनी कार के साथ फंसा एक युवक करीब डेढ़ घंटे तक मोबाइल की रोशनी के साथ जान बचा लेने की गुहार लगाता रहा और मौके पर मौजूद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल तथा दमकल विभाग का दल वहीं खड़ा अपनी लाचारगी का रोना रोता रहे। खबरों के मुताबिक, बचाव दल के पास तैराक और पर्याप्त वैकल्पिक संसाधन नहीं थे।

जाहिर है, युवक की मौत की मुख्य वजह हादसे के बजाय संबंधित महकमों की घोर लापरवाही, बचाव दल की अक्षमता और अपर्याप्त संसाधन थी। यह कल्पना भी तकलीफदेह है कि किसी आपदा या आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के साथ ज्यादा से ज्यादा इंसानी जान को बचाने के लिए गठित दलों की मौजूदगी के बावजूद एक युवक की जान नहीं बचाई जा सकी।

घटना के बाद ऐसे आरोप भी सामने आए कि कुछ दिन पहले वहां एक ट्रक भी हादसे का शिकार हुआ था। वहां इसी तरह की दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई थी और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग भी की थी। मगर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी और विभाग को इसकी जरूरत महसूस नहीं हुई कि वहां मजबूत घेरा और जोखिम के मद्देनजर संकेतक लगवा दिया जाए। अब सरकार ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को हटाने और घटना की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित करने का आदेश दिया है। किसी मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकारी तंत्र की नींद जरूर खुलती है, लेकिन तब तक किसी निर्दोष की जान जा चुकी होती है।

# अब राजनीतिक प्रासंगिकता बचाने की लड़ाई

अगर किसी नगर निकाय के चुनाव पर देश भर की निगाहें लगी हों तो उससे इसके महत्व को सहज ही समझा जा सकता है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका यानी बीएमसी का चुनाव ऐसा ही रहा। यह चुनाव भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा शहरी राजनीतिक ड्रामा बन गया। ऐसा ड्रामा, जिसमें सत्ता, विरासत, पहचान और भविष्य सब कुछ दांव पर लगा था। करीब 75,000 करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक बजट वाली बीएमसी न केवल भारत का, बल्कि एशिया का सबसे समृद्ध नगर निकाय है।

यह वह संस्था है जिस पर न केवल मुंबई की सूरत सुधारने का दारोमदार है, बल्कि राजनीति के रंगरूटों को गढ़ने का भी यह एक माकूल मंच है। यही कारण है कि इसके चुनावों को लेकर उत्सुकता का भाव रहता है, लेकिन महानगर की सत्ता पर लंबे समय से काबिज शिवसेना के विभाजन, महाराष्ट्र की सत्ता राजनीति में आए ढांचागत बदलाव और बीस वर्षों बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने ने इस चुनाव को राष्ट्रीय सुर्खियों का विषय बना दिया।

बीएमसी के माध्यम से मुंबई दशकों तक बालासाहेब ठाकरे की राजनीतिक प्रयोगशाला रही। यही वह मंच था, जहां से मराठी मानुस की राजनीति ने आकार लिया। हिंदुत्व ने शहरी तेवर पाया और कांग्रेस-विरोध एक स्थायी राजनीतिक मुद्दा बना। इसलिए इस चुनाव के परिणाम युगांतकारी जनादेश का संदेश थे। संदेशों का निहितार्थ ठाकरे परिवार की विरासत से भी जुड़ा है। उद्धव

ठाकरे के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई था। सिर्फ बीएमसी जीतने की नहीं, बल्कि स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने की।

राज ठाकरे और उनकी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के लिए यह परीक्षा थी कि क्या वे अब भी मुंबई की राजनीति में कोई मायने रखते हैं। इन सबसे बढ़कर एक प्रश्न और हवा में तैर रहा था कि क्या एकनाथ शिंदे की शिवसेना अब वास्तव में 'असली शिवसेना' बन चुकी है? मतदाता का फैसला इन सवालों पर साफ था और यह फैसला ठाकरे ब्रांड के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका साबित हुआ।

ठाकरे बंधुओं की हार के कारण संरचनात्मक हैं और कुछ प्रतीकात्मक भी।

जैसे 'धनुष-बाण' जैसा चुनाव चिह्न गंवाना, जो दशकों से मुंबई में मराठी अस्मिता, आक्रामक शहरी राजनीति और बालासाहेब ठाकरे की निर्भीक शैली का प्रतीक था। उसके बिना चुनाव लड़ते हुए उद्धव ठाकरे की शिवसेना लगातार सफाई देती, अपना परिचय कराती और अपनी वैधता सिद्ध करती दिखी, मगर चुनावी राजनीति में यह कमजोरी का संकेत होता है, ताकत का नहीं। बालासाहेब ठाकरे की राजनीति मुख्य रूप से मराठी गौरव, आक्रामक हिंदुत्व और कांग्रेस विरोध पर टिकी थी और इन तीनों ही पहलुओं पर समझौता करके उद्धव की शिवसेना वैचारिक रूप से भी कमजोर दिखी।

चुनावों में ठाकरे गुट की 'विकास-विरोधी' होने की छवि भी गहराती चली गई। 1997 से 2022 तक लगभग 25 वर्षों तक बीएमसी पर नियंत्रण के बावजूद ठाकरे खेमे के पास ऐसा कोई ठोस विकास माडल नहीं था, जिसे वे आत्मविश्वास के साथ मतदाताओं के सामने रख सकें। मुंबई जैसे शहर में, जहां मेट्रो, कोस्टल रोड, ट्रांस-हार्बर लिंक और पुनर्विकास परियोजनाएं शहरी जीवन की नई परिभाषा बन चुकी हैं, वहां केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं रही। मतदाता मराठी हो या गैर-मराठी, यह पूछ रहा था कि इतने वर्षों की सत्ता के बाद दिखाने के लिए क्या है?

मराठी मानुस का वोट बैंक भी अब उद्धव ठाकरे, एकनाथ शिंदे, भाजपा और राज ठाकरे के बीच बंट चुका है। अब मुंबई शहर रोजगार, आवास, पर्यावरण और जीवन-स्तर की बात करता है। यहां केवल भाषा और पहचान की राजनीति से काम नहीं चलने वाला। गैर-मराठी मतदाताओं ने बड़ी संख्या में उस विकल्प को चुना, जो उन्हें स्थिरता, संसाधन और केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच बेहतर तालमेल का भरोसा देता था। 'ट्रिपल इंजन सरकार' का आकर्षण यानी केंद्र, राज्य और बीएमसी में एक ही दल की सरकार का दांव भी मुंबई में एक तरह से निर्णायक साबित हुआ।


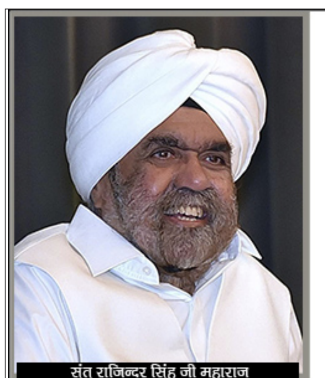

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमें अपनी ओर से पूरा प्रयास करना चाहिए और यह विश्वास रखना चाहिए कि प्रभु हमारी संभाल करेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक


# आतंकवाद के खात्मे की राह में कई रोड़े

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया, जबकि सात अन्य घायल हो गए। सवाल है कि आखिर कश्मीर घाटी और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? आतंकियों पर लगाम कसने के सरकार के दावों के बीच इस तरह के नापाक मंसूबे कैसे फलीभूत हो पा रहे हैं, इस पर नए सिरे से मंथन की जरूरत है।

यह बात छिपी नहीं है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें सीमा पार पाकिस्तान की जमीन में हैं। किश्तवाड़ जिले के सोननार क्षेत्र में जिन आतंकवादियों के साथ सुरक्षाबलों के जवानों की मुठभेड़ हुई, उनके विदेशी मूल के होने और पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की बात कही जा रही है।

सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों की धर-पकड़ के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया था। घाटी में इस तरह के अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि कश्मीर में सुरक्षाबलों का सूचना तंत्र मजबूत है, लेकिन इस तरह की वारदात में किसी जवान का शहीद हो जाना दुखद और चिंताजनक है। ऐसे में सीमा पार से आतंकी घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाना सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। केंद्र सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की बदौलत हाल के वर्षों में सीमा पर घुसपैठ की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया है। अगर यह सच है, तो फिर ज्यादातर वारदात में विदेशी आतंकियों का नाम सामने क्यों आता है? दावों और हकीकत के बीच के इस अंतर को समझने की जरूरत है। यह सवाल भी अहम है कि देश के भीतर सक्रिय आतंकियों के पास हथियार और गोला-बारूद कहां से आ रहा है और उनके वित्त पोषण का स्रोत क्या है!

आतंकी तंत्र के लिए हवाला के जरिए पैसे भेजने की बात जगजाहिर हो चुकी है, लेकिन अब इसमें क्रिप्टो करंसी का नाम भी जुड़ गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने दावा किया है कि जांच में 'क्रिप्टो हवाला' तंत्र का पता चला है, जो जम्मू-कश्मीर में विदेशी धन का अवैध प्रवाह कर रहा है। जाहिर है कि इस तरह के वित्त पोषण से न केवल आतंकियों के लिए हमले का सामान जुटाया जाता है, बल्कि अलगाववादी तत्त्वों को सक्रिय करने में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षाबलों के लिए यह एक नई चुनौती है।

आतंकवाद का बढ़ता खतरा अब वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग से यह खतरा और भी व्यापक एवं भयावह होता जा रहा है। आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत भी शामिल है। हालांकि, हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी वारदात में संख्या की लिहाज से कमी आई है, लेकिन लक्षित हमलों को और ज्यादा भीषण बनाने के प्रयास बढ़े हैं।

# दुनिया का सबसे बड़ा डॉक्यूमेंटेड नैचुरल पर्पल स्टार सफायर

**जरा हट के**

श्रीलंका की धरती से एक ऐसा खजाना निकला है जिसे देखते ही लोगों की आंखें चौंधिया जा रही हैं. 17 जनवरी 2026 को कोलंबो में अनवील किया गया 'स्टार ऑफ प्योर लैंड' नाम का पर्पल स्टार सफायर 3563 कैरेट वजनी है.

जेमोलॉजिस्ट अशन अमरसिंघे ने इसे दुनिया का सबसे बड़ा डॉक्यूमेंटेड नैचुरल पर्पल स्टार सफायर घोषित किया है. यह रत्न 2023 में रत्नपुरा (श्रीलंका का 'जेम सिटी') के पास एक जेम पिट में मिला था. मालिकों (जो सिक्योरिटी के लिए अनाम रहना चाहते हैं) ने इसे पॉलिश करवाया और अब बेचने के लिए तैयार हैं.

स्टार सफायर की खासियत उसका एस्टेरिज्म है. यानी लाइट पड़ने पर इसमें 6-रे वाला तारा प्रभाव दिखता है, जैसे कोई चमकता सितारा! यह पर्पल कलर में है, जो बहुत रेयर है. श्रीलंका के सफायर दुनिया भर

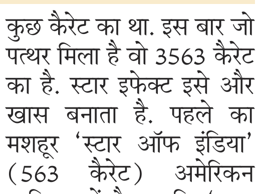

में फेमस हैं. उनकी क्लैरिटी, कलर और नैचुरल शिमर के लिए ये जाने जाते हैं. इस रत्न को दो लैब्स – Gemological Institute of America (GIA) और Lanka Gemological Laboratory ने सर्टिफाई किया है. यह राउंड कैबोचॉन कट में है, जो एस्टेरिज्म को परफेक्ट दिखाता है. सबसे ज्यादा चर्चा तो इसकी कीमत की है. इसकी कीमत सुनकर आपका कलेजा धक-धक कर जाएगा. अंतरराष्ट्रीय वैल्यूअर्स ने इसे 300 मिलियन से 400 मिलियन डॉलर (करीब 2500 करोड़ से 3300 करोड़ रुपये) आंका है. अगर इसकी ये कीमत लगती है तो यह दुनिया के सबसे महंगे जेम्स में शुमार हो जाएगा.

2025 में 'द रीजेंट कश्मीर' ब्लू सफायर 9.5 मिलियन डॉलर में बिका था. यह सिर्फ कुछ कैरेट का था. इस बार जो पत्थर मिला है वो 3563 कैरेट का है. स्टार इफेक्ट इसे और खास बनाता है. पहले का मशहूर 'स्टार ऑफ इंडिया' (563 कैरेट) अमेरिकन म्यूजियम में है, जबकि 'स्टार ऑफ लंका' (393 कैरेट) श्रीलंका के पास है. यह नया रत्न उनसे 6-9 गुना बड़ा है. रत्नपुरा से निकले अन्य फेमस जेम्स जैसे ब्लू जायंट ऑफ ओरिएंट (466 कैरेट), लोगन ब्लू (423 कैरेट), ब्लू बेल ऑफ एशिया (400 कैरेट) हैं.

# पनीर कलाकंद

**खाना-खजाना**

फेस्टिव सीजन में मिठाइयों का अपना ही अलग आनंद होता है और पनीर कलाकंद का नाम इसमें सबसे ऊपर आता है। यह न सिर्फ टेस्ट में बेस्ट होता है, बल्कि बनाने में भी आसान है। पनीर कलाकंद हल्का मीठा, सॉफ्ट और मन को भाने वाला होता है। अगर आप भी वसंत पंचमी पर घर पर ही परफेक्ट पनीर कलाकंद बनाने की सोच रहे हैं, तो यहां दो बेस्ट तरीके बताए गए हैं, एक ट्रेडिशनल तरीका और दूसरा फास्ट तरीका, दोनों ही स्वाद और क्वालिटी में बेहतरीन हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में।

**सामग्री**

- ताजा पनीर- 250 ग्राम
- दूध- 1 लीटर
- चीनी- 100 ग्राम (स्वाद अनुसार बढ़ा सकते हैं)
- हरी इलायची पाउडर- ½ टीस्पून
- काजू- 8–10 बारीक कटे हुए
- बादाम- 8–10 बारीक कटे हुए

**बनाने की विधि-**

सबसे पहले पनीर को अच्छे से मैश कर लें और अलग रखें।

अब एक गहरे पैन में दूध उबालें और जब यह हल्का गाढ़ा हो जाए, तो इसमें चीनी मिलाएं।

इसके बाद इस मिक्सचर में मैश किया हुआ पनीर डालें और लगातार चलाते रहें मिक्सचर पैन से चिपके नहीं। जब मिक्सचर गाढ़ा होकर पैन से अलग होने लगे, तो इसमें इलायची पाउडर और ड्राय फ्रूट्स डालें, और फिर मिक्सचर को एक प्लेट में डालकर सेट होने दें। ठंडा होने के बाद इसे टुकड़ों में काटकर सर्व करें। ट्रेडिशनल तरीका स्वाद में बेहतरीन और क्रीमी होता है।

# एयर पॉल्यूशन से बचने के लिए सिर्फ मास्क लगाना काफी नहीं

**आयुष मंत्रालय ने बताए 5 तरीके**

देश के अधिकतर शहरों में एयर पॉल्यूशन की समस्या बढ़ रही है. इस मामले में राजधानी दिल्ली और एनसीआर की हालत सबसे खराब है. साल के अधिकतर महीनों में दिल्ली-एनसीआर की हवा सांस लेने लायक नहीं होती है. इससे कई गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं. वर्तमान में दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब है. इसकी वजह से लोगों को आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत, खांसी, एलर्जी और फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं. ऐसे में केवल मास्क पहनना या घर में बंद रहना ही काफी नहीं है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने साफ कहा है कि प्रदूषण से बचाव के लिए शरीर को अंदर से मजबूत बनाना और इम्यूनिटी बढ़ाना बेहद जरूरी है.

आयुष मंत्रालय के मुताबिक आयुर्वेद के कुछ आसान उपाय अपनाकर एयर पॉल्यूशन के खतरों को काफी हद तक कम किया जा सकता है. प्रदूषण के साइड इफेक्ट से बचने के लिए लोगों को सबसे पहले अपनी डाइट पर ध्यान देना चाहिए. अपनी डाइट में मौसमी और स्थानीय फल-सब्जियां शामिल करें. फल-सब्जियां पोषक तत्वों से भरपूर और शरीर के लिए आसानी से पचने वाले होते हैं. सर्दियों में संतरा, अमरूद, गाजर,

पालक, मूली, शलगम और हरी पत्तेदार सब्जियां इम्यूनिटी बढ़ाने में बेहद असरदार हैं. आयुर्वेद में बताई गई कुछ जड़ी-बूटियां भी बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं. अदरक, पिप्पली, हरड़ और बहेड़ा का नियमित सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और सांस की नली को साफ रखने में मदद करता है.

ये जड़ी-बूटियां शरीर में जमा विषैले तत्वों को बाहर निकालने में भी सहायक होती हैं. इन्हें चाय में मिलाकर, काढ़े के रूप में या चूर्ण बनाकर लिया जा सकता है. इसके अलावा प्रदूषण से बचने के लिए गुनगुना पानी पीने की भी सलाह दी गई है. सभी लोग अपने दिन की शुरुआत गुनगुने पानी से करें, जिसमें नींबू, शहद या तुलसी की पत्तियां मिलाई जा सकती हैं. इसके अलावा दिन में 2-3 बार हर्बल काढ़ा पीना लाभकारी होता है. तुलसी, अदरक, दालचीनी, लौंग, काली मिर्च और थोड़ा सा गुड़ डालकर तैयार किया गया काढ़ा प्रदूषण से होने वाली खांसी, गले की खराश और सर्दी-जुकाम से बचाव करता है.

पॉल्यूशन से बचने के लिए खाने को लेकर भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. हमेशा ताजा और गर्म खाना खाएं, क्योंकि ठंडा या बासी भोजन पाचन को कमजोर करता है और इम्यूनिटी घटाता है. रोजाना घी, दूध, गुड़ और सूखे मेवे जैसे बादाम, काजू, अखरोट और किशमिश को डाइट में शामिल करें. घी शरीर को अंदर से पोषण देता है और प्रदूषण से होने वाली सूजन को कम करने में मदद करता है. इन उपायों के साथ-साथ नियमित व्यायाम, योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करना भी जरूरी है. पर्याप्त नींद लेना और तनाव से दूर रहना भी इम्यूनिटी बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है. अगर किसी को पहले से कोई बीमारी है या वह नियमित दवाएं ले रहा है, तो इन उपायों को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

## आज का राशिफल

**मेष** : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

**वृषभ** : शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। लापरवाही से काम न करें।

**मिथुन** : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएँगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

**कर्क** : कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**सिंह** : कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रुझान बढ़ेगा।

**कन्या** : चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा।

**तुला** : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेंगे। सकारात्मक सोच बनेगी।

**वृश्चिक** : बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी।

**धनु** : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा हो सकती है।

**मकर** : बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी। किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा।

**कुंभ** : मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें।

**मीन** : मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# गमले में उगाएं हरा धनिया

धनिया उगाने के लिए सबसे पहले सही बीज का चुनाव करना जरूरी है. बाजार में मिलने वाले साबुत धनिया बीज का ही इस्तेमाल करें. बुवाई से पहले बीजों को हल्का-सा मसलकर दो टुकड़ों में तोड़ लें और 8 से 10 घंटे पानी में भिगो दें. इससे बीज जल्दी अंकुरित होते हैं और पौधे अच्छे निकलते हैं.

अब बात करते हैं मिट्टी की. धनिया के लिए हल्की और उपजाऊ मिट्टी सबसे बेहतर रहती है. आप गमले की मिट्टी में गोबर की खाद या वर्मी कम्पोस्ट मिला सकते हैं. ध्यान रखें कि गमले या क्यारी में पानी निकासी की सही व्यवस्था हो, क्योंकि धनिया को ज्यादा पानी पसंद नहीं होता. गमले की गहराई कम से कम 6 से 8 इंच होनी चाहिए.

जनवरी में धनिया बोने के लिए बीजों को मिट्टी में आधा इंच गहराई तक छिड़क दें और ऊपर से हल्की मिट्टी डाल दें. इसके बाद हल्का पानी दें. बीज बोने के 7 से 10 दिनों में अंकुर निकलने लगते हैं. इस दौरान गमले को ऐसी जगह रखें, जहां रोजाना 4 से 5 घंटे धूप मिल सके. पानी देने में संतुलन बेहद जरूरी है. धनिया के पौधों को रोजाना पानी देने की जरूरत नहीं होती.

जब मिट्टी सूखी लगे, तभी हल्का पानी दें. अधिक पानी देने से पौधे सड़ सकते हैं. ठंड के मौसम में खासतौर पर पानी कम मात्रा में देना चाहिए. धनिया की अच्छी बढ़वार के लिए समय-समय पर जैविक खाद देना फायदेमंद होता है. 15 से 20 दिन के अंतराल पर गोबर की खाद या तरल जैविक खाद डाल सकते हैं. इससे पत्तियां हरी-भरी और खुशबूदार बनती हैं.

करीब 25 से 30 दिनों में धनिया की कटाई शुरू की जा सकती है. पत्तियों को ऊपर से काटें, जड़ न उखाड़ें, ताकि दोबारा नई पत्तियां निकल सकें. सही देखभाल से एक ही पौधे से कई बार धनिया की कटाई की जा सकती है. अगर आप भी ताजा, केमिकल फ्री धनिया घर पर उगाना चाहते हैं, तो जनवरी का महीना इसके लिए सबसे सही समय है। थोड़ी सी देखभाल से आप पूरे सर्दी के मौसम में हरा-भरा धनिया पा सकते हैं.

# रोटी से भी मोटी मलाई का सीक्रेट!

खंडवा की गृहणी स्वीटी पटेल का यह आसान घरेलू तरीका हर उस घर के लिए फायदेमंद है, जहां रोज दूध उबलता है और घी निकाला जाता है. ज़रूरत बस थोड़ी सी समझ और सही तरीके की होती है. एक बार आप ये तरीका अपनाएंगे, तो दूध की मलाई खुद ही आपके सामने मोटी परत बनाकर तैरती नजर आएगी... बिल्कुल रोटी जैसी!

मलाई हर घर की रसोई में एक खास जगह रखती है. ज्यादा मलाई हो तो किसी के लिए यह सुबह की चाय का स्वाद बढ़ाने वाली चीज है, तो किसी के लिए घर का बना शुद्ध घी निकालने का जरिया बनता है.

आजकल पैकेट वाले दूध में मलाई बहुत कम जमती है, जितनी मेहनत करें, उतना फायदा नहीं मिलता. ऐसे में कई लोग सोचते हैं कि आखिर पुराने समय जैसी मोटी मलाई क्यों नहीं जमती? इसी सवाल का आसान और घरेलू हल दिया है स्वीटी पटेल ने, जो अपनी देसी रसोई में रोजाना छोटे-छोटे लेकिन काम के नुस्खे आजमाते रहती हैं.

दूध उबालने की सही शुरुआत से मोटी मलाई का सिलसिला शुरू होता है. सबसे पहले दूध को एक साफ बर्तन में छान लें, ताकि उसमें कोई भी फाइन कण न रह जाए. डेढ़ किलो दूध में आधा गिलास पानी मिलाना जरूरी माना जाता है. इससे दूध उबलते वक्त नीचे नहीं चिपकता और धीरे-धीरे गर्म होता है. यह धीमी गर्माहट ही मलाई को मोटी बनाती है. बर्तन के किनारे हल्का सा घी लगा दीजिए. इससे दूध उफनकर बाहर नहीं गिरेगा.

स्वीटी का कहना है कि मलाई की मोटाई बढ़ाने का राज किसी

महंगी चीज में नहीं, बल्कि रसोई में ही मौजूद एक सामान्य चीज में छिपा है. जब दूध गर्म होने लगे, तब 6-7 चावल के दाने डालकर एक बार चम्मच से चला दें. चावल का हल्का स्टार्च दूध की सतह पर एक मोटी परत जमाने में मदद करता है. इससे मलाई गाढ़ी और भारी बनती है. यह तरीका बिल्कुल सुरक्षित है और दूध के स्वाद पर कोई फर्क नहीं डालता.

फिर दूध जैसे ही अच्छे से उबल जाए, गैस बंद कर दें. तुरंत ढक्कन न लगाएं. अगर आप

ढक्कन लगा देंगे तो भाप अंदर बंद हो जाएगी और मलाई में पानी की बूंदें पड़ने लगेंगी, जिससे मलाई पतली बनती है. इसके बजाय बर्तन को छलनी से ढकें. इससे दो फायदे होते हैं. पहला भाप आसानी से बाहर निकलती रहती है. दूसरा धूल-अनचाही चीजें दूध में नहीं जातीं. धीरे-धीरे भाप निकलने से मलाई परतदार और सूखी जमती है.

दूध जब रूम टेम्प्रेचर पर आ जाए, तब इसे 4-5 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें. फ्रिज की ठंडी हवा मलाई को और भी ज्यादा सेट कर देती है. अगले दिन आप देखेंगे कि मलाई एकदम मोटी, सूखी और रोटी की परत जैसी जमी है. इस प्रक्रिया को 2-3 दिन तक चालू रखें. इतने में ही अच्छी-खासी मलाई इकट्ठी हो जाती है, जिससे लगभग 800 ग्राम से 1 किलो तक शुद्ध घी निकालना संभव है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

## खबरें गांव की...

### मंत्री के कॉलेज में 9 साल की बच्ची का फंदे से लटकता मिला शव, आत्महत्या की आशंका

**कानपुर.** यूपी के कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक मंत्री के बंद पड़े कॉलेज में सोमवार रात 9 साल की बच्ची का शव फंदे से लटकता मिला। लड़की इसी कॉलेज में रहने वाली नानी के साथ रहती थी। नानी फोन बंद कर फरार है। बाबूपुरवा की रहने वाली लक्ष्मी के पति की मौत के बाद उसने यहीं के मंजीत से दूसरी शादी कर ली। पहली शादी से इकलौती बेटी नौ वर्षीय वैष्णणी उर्फ रानी गुजैनी निवासी नानी ममता के साथ रहनी लगी। ममता बीस साल से पतारा के कॉलेज में रहती थी। कॉलेज में सोमवार रात चौकीदार आया तो ममता नहीं थी, कमरे में नौ साल की बच्ची का शव फंदे से लटक रहा था, पास ही कुर्सी पड़ी थी आशंका जताई जा रही थी कुर्सी की मदद से फांसी लगाई है।

### पत्नी ने आधी रात को काटी सोते हुए पति की जीभ

**गाजियाबाद.** गाजियाबाद के मोदीनगर से एक हैरान-परेशान करने वाला मामला सामने आया है। यहां खाना बनाने को लेकर हुए विवाद में एक पत्नी ने देर रात चाकू से अपने पति की जीभ काट दी। घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। 8 महीने पहले ही दोनों की शादी हुई थी। पीड़ित युवक के परिजनों ने आरोपी बहू के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, मोदीनगर की संजय नगर कॉलोनी में कथित तौर पर खाना बनाने को लेकर हुए झगड़े में देर रात सोते समय पत्नी ने पति की जीभ काटकर अलग कर दी। गंभीर हालत में युवक को मेरठ की निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है।

### प्रशासनिक अधिकारी ने डकारे 1.25 करोड़

**मैनपुरी.** यूपी के मैनपुरी में दीवानी न्यायालय के कार्यालय में वित्तीय अनियमिताओं के एक मामले का खुलासा हुआ है। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने और वेतन के अतिरिक्त 1 करोड़ 24 लाख 79 हजार 152 रुपये की धोखाधड़ी की। इस धनराशि को आरोपी ने मां, पत्नी और भाई के खातों में ट्रांसफर किया। दीवानी कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात देवव्रत राय चौधरी ने 19 जनवरी को कोतवाली पुलिस को तहरीर दी और जानकारी दी कि पूर्व प्रशासनिक अधिकारी अनूप कुमार ने अपनी तैनाती के दौरान अपने अधिकारों से परे जाकर वित्तीय अनियमितताएं की हैं। लेखा परीक्षा दल की सूचना पर जनपद न्यायाधीश ने एक जांच कमेटी बनाई। जांच कमेटी ने जांच की और बैंक से पूर्व प्रशासनिक अधिकारी अनूप कुमार के खातों का विवरण मांगा। बैंक द्वारा दिए गए वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025 26 के विवरण में यह तथ्य सामने आया कि अनूप कुमार ने अपने वेतन के अतिरिक्त एक करोड़ 24 लाख 79 हजार 152 रुपये अतिरिक्त भुगतान प्राप्त किया है।

# नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

- मोदी बोले- मैं कार्यकर्ता, वे मेरे बॉस
- अब मेरे काम का आकलन करेंगे

**नई दिल्ली.** नितिन नबीन भाजपा के निर्विरोध 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में इसका ऐलान किया गया। इस मौके पर पीएम मोदी ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया।

मोदी ने 55 मिनट के भाषण में कहा 'भाजपा ऐसी पार्टी है, जहां लोगों को लगता होगा कि मोदीजी इतनी छोटी उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। हेड ऑफ द गवर्नमेंट बन गए हैं। इन सबसे बड़ी चीज है कि मैं BJP का कार्यकर्ता हूं। लेकिन मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं, मैं कार्यकर्ता हूं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे।''

उन्होंने कहा, 'ये भाजपा है जो जीत का जश्न मनाते हुए भी अपनी कमियों की समीक्षा करता है और कमियों को हटाने के लिए समय का सदुपयोग करता है। हमें ध्यान रखना है कि जो कांग्रेस की बुराईयों से बचेगा, वही देश में आगे बढ़ेगा।'

अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन ने अपने पहले भाषण में कहा, 'हम ऐसे राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जहां राजनीति सत्ता नहीं, साधना है। राजनीति भोग नहीं, त्याग है। राजनीति ऐशो-आराम नहीं, तपस्या है। राजनीति कोई पदभार नहीं, उत्तरदायित्व है।' नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

मोदी और नितिन नबीन से पहले पार्टी के अध्यक्ष रहे जेपी नड्डा ने कहा, ''नबीन की लीडरशिप में पार्टी नई राज्यों में अपनी पहुंच बढ़ाएगी। उन क्षेत्रों में भी कमल खिलेगा जहां अब तक भाजपा को सफलता नहीं मिली है, जैसे बंगाल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, असम और केरल।''

महाराष्ट्र नतीजों ने बताया भाजपा पहली पसंदः 'भाजपा सिर्फ संसद और विधानसभा की ही नहीं, बल्कि नगरपालिकाओं और नगर निगमों में भी पहली पसंद है। इसका ताजा उदाहरण महाराष्ट्र है। भाजपा, महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों में नंबर वन पार्टी बनी है। कुल 29 में से 25 बड़े शहरों की जनता ने भाजपा-एनडीए को चुना है। कुल जितने पार्षद जीते हैं, उनमें से 50% भाजपा के हैं। ऐसे ही केरल में भाजपा के करीब 100 पार्षद हैं। ऐसे ही तिरुवनंतपुरम की जनता ने मेयर चुनाव में 45 साल बाद लेफ्ट से सत्ता छीनी और भाजपा पर भरोसा किया।'

# ट्रम्प बोले- ग्रीनलैंड पर पीछे हटने का सवाल नहीं

- यह दुनिया की सुरक्षा के लिए जरूरी
- ताकत के जरिए ही शांति कायम होगी

**वाशिंगटन.** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को लेकर एक बार फिर सख्त रुख दिखाया है। उन्होंने कहा है कि इस मुद्दे पर पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि ग्रीनलैंड राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है।

ट्रम्प ने बताया कि इस मुद्दे पर NATO चीफ मार्क रुटे से उनकी फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई है। बातचीत के बाद अलग-अलग पक्षों के साथ स्विट्जरलैंड के दावोस में बैठक करने पर सहमति बनी है।

ट्रम्प ने अमेरिका को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बताया। उन्होंने कहा कि ताकत के जरिए ही दुनिया में शांति कायम की जा सकती है और यह क्षमता सिर्फ अमेरिका के पास है।

### अमेरिका ने ग्रीनलैंड में मिलिट्री एयरक्राफ्ट भेजा

ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर डेनमार्क से बढ़ते विवाद के बीच अमेरिका ने नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (NORAD) का एक सैन्य विमान ग्रीनलैंड भेजा है। यह विमान जल्द ही पिटुफिक स्पेस बेस पहुंचेगा।

### ट्रम्प ने NATO चीफ का पर्सनल मैसेज शेयर किया

ट्रम्प ने NATO चीफ मार्क रुटे का एक पर्सनल मैसेज सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस मैसेज में रूटे ने ट्रम्प से कहा मिस्टर प्रेसिडेंट,आज आपने सीरिया में जो हासिल किया है, वह अविश्वसनीय है। मैं दावोस में अपने मीडिया इंटरव्यू में सीरिया, गाजा और यूक्रेन में आपके काम को सामने रखूंगा।"
रुटे ने अपने संदेश में आगे लिखा कि वह ग्रीनलैंड को लेकर आगे का रास्ता निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने ट्रम्प से जल्द मिलने की इच्छा भी जताई। ट्रम्प ने मैसेज के लिए रुटे का धन्यवाद दिया।

# EVM से नहीं, बैलेट पेपर से डाला जाएगा वोट

- 25 साल बाद इस नगर निगम के लिए आयोग का फैसला

**बेंगलुरु.** बेंगलुरु में 25 वर्षों के बाद नगर निकाय चुनावों में मतदान बैलट पेपर से होगा। कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (GBA) के अंतर्गत आने वाले 5 नई नगर निगमों के चुनाव EMV के बजाय बैलट पेपर से कराए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी.एस. संगरेशी ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय कानूनी रूप से वैध है और सुप्रीम कोर्ट के किसी भी फैसले का उल्लंघन नहीं करता। यह फैसला बेंगलुरु के स्थानीय निकाय चुनावों में एक बड़ा बदलाव है, जहां पिछली बार 2000 के आसपास बैलट पेपर का इस्तेमाल हुआ था। अब तक ईवीएम का उपयोग होता आ रहा था, लेकिन अब पारंपरिक तरीके की वापसी हो रही है।

यह चुनाव 25 मई के बाद और 30 जून से पहले संपन्न कराए जाने हैं, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है। इसका कारण 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं के बाद का समय निर्धारित करना है, ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

### क्या बैलेट पेपर से मतगणना में देरी होगी?

राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि मतगणना में देरी नहीं होगी, क्योंकि पर्याप्त लॉजिस्टिक्स, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस बल की व्यवस्था की जाएगी। चुनाव एक ही दिन में पूरा कर परिणाम घोषित करने की योजना है। जीबीए के तहत 5 नगर निगमों (सेंट्रल, नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट बेंगलुरु) में कुल 369 वार्ड हैं और लगभग 89 लाख मतदाता हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची 19 जनवरी को जारी की गई है, जिसमें आपत्तियां 20 जनवरी से 3 फरवरी तक दर्ज की जा सकती हैं। अंतिम सूची 16 मार्च को प्रकाशित होगी।

इन चुनावों में लगभग 88.91 लाख मतदाता शामिल होंगे, जिनके नाम ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स में दर्ज हैं। राज्य चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि इस साल के अंत में होने वाले जिला और तालुक पंचायत चुनाव भी बैलट पेपर से ही होंगे। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने और मतदाताओं के विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया माना जा रहा है।

# कर्नाटक के DGP लेवल के अधिकारी रामचंद्र राव सस्पेंड

- अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद एक्शन
- अधिकारी बोले- सभी फुटेज फेक हैं

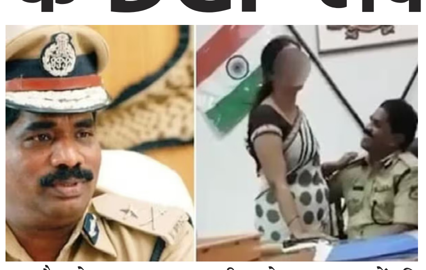

**बेंगलूरु.** कर्नाटक पुलिस के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस DGP (सिविल राइट्स एनफोर्समेंट) को सस्पेंड कर दिया गया है। सोमवार (19 जनवरी) को उनका एक अश्लील वीडियो सामने आया था, जिसके बाद सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है।

वायरल वीडियो में DGP के. रामचंद्र राव कई महिलाओं के साथ आपत्तिजनक हालत में दिख रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद CM सिद्धरमैया ने कहा था कि अगर अधिकारी दोषी पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो वायरल होने के बाद DGP गृह मंत्री जी परमेश्वर से मिलने पहुंचे लेकिन उनकी मुलाकात नहीं हो सकी।

गृहमंत्री के घर से निकलने के बाद DGP ने पत्रकारों से कहा था कि वीडियो झूठा और मॉर्फ्ड है। उन्होंने कहा कि आगे के एक्शन के बारे में वकील से बात करेंगे।

### DGP बोले- मैं भी सोच रहा ये कैसे कब हुआ

- मंत्री के घर के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए DGP ने कहा था कि मैं भी सोच रहा हूं कि यह कैसे और कब हुआ और किसने किया। इस जमाने में कुछ भी हो सकता है। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।
- पत्रकारों ने पूछा कि क्या यह पुराना वीडियो है, तो उन्होंने कहा- पुराना मतलब, आठ साल पहले जब मैं बेलगावी में था।
- उन्होंने आगे कहा कि वह गृह मंत्री को समझाएंगे कि गलत जानकारी फैलाई जा रही है। कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर ने कहा कि अगर किसी ने कुछ गलत किया है तो सरकार कार्रवाई करेगी।

# तमिलनाडु गवर्नर का बिना स्पीच दिए विधानसभा से वॉकआउट

- कहा- राष्ट्रगान का फिर अपमान हुआ
- CM स्टालिन बोले- ये असेंबली की बेइज्जती

**चेन्नई.** तमिलनाडु विधानसभा सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में फिर हाईलेवल ड्रामा हुआ। राज्यपाल आरएन रवि एक बार फिर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए स्पीच दिए बिना ही असेंबली से बाहर चले गए।

पिछले सालों की तरह गवर्नर ने कहा कि तमिल गान के बाद राष्ट्रगान बजाया जाए। लेकिन स्पीकर अप्पावु ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद गवर्नर रवि शुरुआती भाषण पढ़े बिना ही विधानसभा से बाहर चले गए। इससे पहले 2024-25 में भी वे ऐसा कर चुके हैं।

राज्यपाल ने आरोप लगाया कि उनके भाषण में रुकावट डाली गई। उन्होंने कहा कि मैं निराश हूं। राष्ट्रगान को उचित सम्मान नहीं दिया गया।

गवर्नर के वॉकआउट के बाद विपक्षी AIADMK के नेता भी असेंबली से बाहर चले गए और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं तमिलनाडु CM ने इसे असेंबली का अपमान बताया है।

### पिता की तेरहवीं कर रहे बेटे को चाकू से गोदकर मार डाला

**महोबा.** महोबा में पिता की तेरहवीं कर रहे बेटे को दबंगों ने चाकू से गोद कर मार डाला। उसे बचाने आए भाई और चाचा समेत चार लोगों पर भी हमला कर घायल कर दिया। लेवा गांव में इस सनसनीखेज वारदात से लोग सहमे हैं। चारों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से चचेरे भाई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दो नामजद सहित छह अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक अजनर थाना क्षेत्र के लेवा गांव निवासी रामकृपाल खंगार की 14 दिन पूर्व बीमारी के चलते मौत हो गई थी।

# परिवार के 4 लोगों की हत्या कर जान दी

- पत्नी, दो बेटे और मां के माथे पर गोली मारी
- अमीन ने खुद पर 2 फायर किए

**सहारनपुर.** सहारनपुर में सरकारी अमीन ने पत्नी, दो बेटों और मां के माथे में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद के सीने और माथे पर गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपनी बहन को एक मैसेज और ऑडियो क्लिप भेजी। इसमें उसने कहा- वह परिवार की हत्या कर चुका है। अब खुद भी जान देने जा रहा है।

पति और पत्नी का शव फर्श पर, जबकि मां और दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे। अमीन के पास तीन तमंचे पड़े मिले। वारदात का पता उस वक्त चला, जब बहनोई ने कई बार कॉल किया। फोन नहीं उठा तो उसने बेटे को घर भेजा। बेटे ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर गया, जहां सभी के शव पड़े मिले। सूचना पर डीएम मनीष बंसल और SSP आशीष तिवारी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि सिंचाई विभाग में तैनात अमीन अशोक डिप्रेशन में था। चंडीगढ़ में उसका इलाज चल रहा था। SSP का कहना है कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि अमीन ने पहले परिवार के लोगों को गोली मारी और फिर खुद को गोली मार ली।

मृतकों में अमीन अशोक राठौर (40), पत्नी अंजिता (37), मां विद्यावती (70) और दो बेटे कार्तिक (16) और देव (13) शामिल हैं। वारदात का पता चलते ही अमीन की पत्नी की बहन पहुंची और रो-रोकर बेसुध हो गई। पूरा मामला सरसावा थाना क्षेत्र की शाश्वत बिहार कॉलोनी का है।

# साइना नेहवाल का संन्यास

- बोलीं- घुटने की समस्या से परेशान थी
- आखिरी बार 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि घुटने के दर्द के कारण अब उनके लिए खेलना संभव नहीं रह गया है। साइना आखिरी बार जून 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं। 35 वर्ष की साइना ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'मैंने दो साल पहले ही खेलना बंद कर दिया था। मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा। इसलिए मुझे घोषणा जरूरी नहीं लगी।'

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 साइना ने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतकर पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। वे 2009 में BWF सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इसके बाद 2010 और 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीते।

### गठिया और घुटनों की समस्या संन्यास की वजह बनी

साइना के मुताबिक उनके घुटनों का कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है और उन्हें आर्थराइटिस हो गया है। उन्होंने कहा, 'जब आप खेल ही नहीं पा रहे तो वहीं रुक जाना चाहिए। मैं पहले दिन में 8–9 घंटे ट्रेनिंग करती थी, लेकिन अब मेरे घुटने 1–2 घंटे में ही जवाब दे देते हैं। इसके बाद सूजन आ जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। मैं अब अपना करियर और नहीं खींच सकती।

# रूसी सीरियल किलर के मोबाइल से 100 से अधिक महिलाओं की फोटोज

- गोवा में 2 रूसी महिलाओं की हत्या के बाद पकड़ा गया किलर

**पणजी.** गोवा से सनसनीखेज और खौफनाक मामला सामने आया है। यहां रूसी फायर परफॉर्मर एलेक्सी लियोनोव (37 वर्ष) पर दो रूसी महिलाओं की बेरहमी से हत्या का आरोप लगा है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है, और जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। दरअसल, यह मामला जनवरी 2026 की शुरुआत में सामने आया, जब नॉर्थ गोवा के अरंबोल और मोरजिम इलाकों में दो अलग-अलग कमरों से दो रूसी महिलाओं (एलेना कास्थानोवा (37, गो-गो डांसर) और एलेना वेनीवा (37, बबल आर्टिस्ट)) के शव मिले। दोनों का गला रेता गया था, हाथ रस्सी से बंधे थे, और मौत का तरीका एक जैसा था। पुलिस के अनुसार, एलेक्सी के फोन से 100 से अधिक महिलाओं और दो पुरुषों की तस्वीरें बरामद हुई हैं। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी नागरिक एलेक्सी लियोनोव ने उधार लिए गए पैसों और उधार लिए गए 'रबर के मुकुट' (फायर परफॉर्मेंस के लिए इस्तेमाल होने वाला रबर का क्राउन) को लेकर गोवा में अपनी दो महिला मित्रों की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं रूसी नागरिक थीं और आरोपी की दोस्त थीं। इनमें से एक एलेना कास्थानोवा ने आरोपी से कुछ पैसे और एक मुकुट उधार लिया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दूसरी महिला ने भी पैसे उधार लिए थे।

हालांकि, दोनों पीड़ित महिलाएं एलेक्सी को पैसे और मुकुट वापस नहीं कर पाईं। इससे गुस्साए आरोपी ने 14 और 15 जनवरी को दो अलग-अलग दिनों में उनके कमरों में जाकर उनका गला काट दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये हत्याएं पूर्व नियोजित नहीं थीं, बल्कि उत्तेजना में की गई हत्याएं थीं। उन्होंने यह भी कहा कि एलेक्सी अत्यधिक जुनूनी था और तुरंत भड़क जाता था। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है कि घटना के समय आरोपी नशे की हालत में था या नहीं।

### सीरियल किलर?

गोवा पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने दावा किया है कि उसने पांच और लोगों की हत्या की है, जिनसे उसका विवाद था, और उसने उनके नाम भी बताए। लेकिन पुलिस जांच में पता चला कि उसके द्वारा बताए गए सभी पांच लोग जीवित हैं। सूत्रों के अनुसार, एलेक्सी मानसिक रूप से बीमार है और हमेशा नशे में रहता है। इतना ही नहीं, जांच में गोवा पुलिस को आरोपी के फोन में 100 से अधिक महिलाओं और दो पुरुषों की तस्वीरें मिली हैं। पुलिस के अनुसार, वह लोगों से जल्दी चिढ़ जाता था, लेकिन उनसे तुरंत दोस्ती भी कर लेता था। पहले भी गोवा में कुछ पुरुषों के साथ मारपीट के मामलों में वह शामिल रहा है, लेकिन उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था।

# धरने पर बैठे अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस

- मेला प्राधिकरण ने कहा- 24 घंटे में साबित करें कि आप शंकराचार्य हैं

**प्रयागराज.** प्रयागराज में रथ रोकने के विरोध में धरने पर बैठे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला प्रशासन ने नोटिस जारी किया है। मेला प्राधिकरण ने उन्हें 24 घंटे में यह साबित करने को कहा है कि वे ही असली शंकराचार्य हैं।

सोमवार रात 12 बजे कानूनगो अनिल कुमार माघ मेला में शंकराचार्य के शिविर पहुंचे। उन्होंने शंकराचार्य के शिष्यों से नोटिस लेने के लिए कहा। शिष्यों ने नोटिस लेने से मना कर दिया। कहा- इतनी रात में कोई नहीं हैं। सुबह आइएगा।

कानूनगो अनिल कुमार मंगलवार सुबह फिर शंकराचार्य शिविर पहुंचे। वहां गेट पर नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है। दरअसल, ज्योतिषपीठ में शंकराचार्य की पदवी को लेकर अविमुक्तेश्वरानंद और वासुदेवानंद के बीच विवाद है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

### बोले- मैं हूं ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य

- इससे पहले, सोमवार को प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा– शंकराचार्य वो होता है जिसे बाकी 3 पीठ शंकराचार्य कहते हैं। 2 पीठ हमें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में हमको साथ लेकर स्नान कर चुके हैं। अब आपको किस प्रमाण की जरूरत हैं।
- क्या ये प्रशासन तय करेगा कि हम शंकराचार्य हैं या नहीं। भारत के राष्ट्रपति को भी अधिकार नहीं है कि वो तय करे कि कौन शंकराचार्य होगा। शंकराचार्य का निर्णय शंकराचार्य करेगा।
- पुरी के शंकराचार्य ने हमारे बारे में कुछ नहीं कहा। वो साइलेंट हैं। हम निर्विवाद रूप से ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं। अगर कोई कहता है कि मैं ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य हूं तो आकर बात करे।

# असम में कारोबारी के घर 40 मिनट तक लूट

- हथियारों के बल पर पत्नी-ड्राइवर को बंधक बनाया
- नकदी और गहने लेकर फरार हुए

**गुवाहाटी.** असम के गुवाहाटी में सोमवार देर रात 4 नकाबपोश बदमाशों ने बंदूक और चाकू के बल पर एक बिजनेसमैन के घर में लूटपाट की। पूरी घटना CCTV कैमरों में कैद हो गई।

पुलिस के मुताबिक यह घटना कारोबारी अनिल डेका के घर पर हुई। चार लुटेरे सफेद मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार में आए थे।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कारोबारी की पत्नी और ड्राइवर को बंधक बनाया और करीब 40 मिनट तक घर में लूटपाट की। बदमाश घर से बड़ी मात्रा में कैश, सोने के गहने और दूसरी कीमती चीजें लेकर फरार हो गए।

CCTV में भी दिख रहा है कि 4 नकाबपोश बदमाश पहले मेनगेट से घर के अंदर आते हैं। फिर दो लुटेरे कारोबारी की पत्नी के गले पर धारदार हथियार लगाते हैं।

उसके बाद दूसरे कमरे से दो और बदमाश ड्राइवर को बंदूक की नोंक पर लाते है।

फिर आरोपी ड्राइवर को बंधक बनाते हैं। कारोबारी की पत्नी को दूसरे कमरे में लेकर जाकर लूटपाट की घटना को अंजाम देते हैं।

बदमाश ड्राइवर के साथ मारपीट भी करते हैं, उसके मुंह में बंदूक तक ठूंस देते हैं।

## संक्षेप...

### पनवेल में गांजा के साथ एक गिरफ्तार

**पनवेल.** पनवेल शहर पुलिस ने बीती रात करीब 8:30 बजे पनवेल रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित मोरज सोसाइटी के पीछे गढ़ी नदी के पास एक अभियान में बिहार के 33 वर्षीय युवक को 3.5 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया. जब्त किए गए गांजे का अनुमानित मूल्य लगभग 3 लाख रुपये है, और इस अभियान से पनवेल क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस के अभियान को सफलता मिली है.

पनवेल और उसके आसपास के इलाकों में गांजा जैसी नशीली दवाओं की व्यापक तस्करी की तस्वीर सामने आई है. युवाओं में इस लत की बढ़ती दर पर चिंता व्यक्त की गई है, क्योंकि पुडिया में गांजा आसानी से कम दामों पर उपलब्ध है. इसी को देखते हुए, नवी मुंबई पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे ने नशामुक्त नवी मुंबई के लिए सख्त नीति लागू करने का आदेश दिया है.

# BMC मेयर पद- शिवसेना ने फिर दावेदारी के संकेत दिए

## शिंदे बोले- कार्यकर्ताओं की इच्छा, बाल ठाकरे जन्मशती पर शिवसैनिक महापौर बने

**मुंबई.** महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने सोमवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) मेयर पद पर शिवसेना की दावेदारी के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि 23 जनवरी से शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की जन्मशती वर्ष की शुरुआत हो रही है। शिवसैनिकों की इच्छा है कि इस मौके पर BMC में शिवसेना का मेयर होना चाहिए।

हालांकि शिंदे ने यह भी स्पष्ट किया कि शिवसेना कोई ऐसा फैसला नहीं करेगी जो जनादेश के खिलाफ हो। उन्होंने याद दिलाया कि BMC चुनाव शिवसेना और बीजेपी ने गठबंधन में लड़ा था। जिन नगर निगमों में शिवसेना और बीजेपी ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा है, वहां महायुति का ही मेयर बनेगा।

महाराष्ट्र में BMS समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को चुनाव हुए थे और 16 जनवरी को रिजल्ट आया था। BMC के 227 सीटों में भाजपा को 89 और शिंदे गुट को 29 सीटें मिली थीं। मेयर के लिए बहुमत का आंकड़ा 114 है। इसके लिए भाजपा को शिंदे गुट के 25 पार्षदों के समर्थन की जरूरत होगी।

नतीजों के बाद शिवसेना ने अपने 29 पार्षदों को बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में ठहराया है। हालांकि, पार्टी का कहना है कि होटल में पार्षदों के लिए ओरिएंटेशन वर्कशॉप किया जा रहा है, ताकि उन्हें देश की सबसे समृद्ध नगर निकाय BMC के कामकाज की जानकारी दी जा सके।

### मेयर पद के लिए 22 को निकालेगी लॉटरी

29 नगर निगमों में मेयर पद के लिए 22 जनवरी को लॉटरी निकाली जाएगी। इसमें यह तय होगा कि पद ओपन कैटेगरी, अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। कैटेगरी तय होते ही उसी दिन या अगले दिन अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद सात दिन का नोटिस अनिवार्य होने के कारण मेयर चुनाव 29 या 30 जनवरी को होने की संभावना है। अगर अधिसूचना 23 जनवरी को जारी हुई तो मतदान 30 या 31 जनवरी को कराया जा सकता है। मुख्यमंत्री फडणवीस 24 जनवरी को स्विट्जरलैंड से वापस आएंगे।

# भिवंडी में प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच हुई झड़पों के सिलसिले में 44 लोग गिरफ्तार

**ठाणे.** महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी कस्बे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक और एक स्थानीय संगठन के नेता के कथित समर्थकों के बीच हुई झड़पों के सिलसिले में 44 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा पांच मामले दर्ज किए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

हाल ही में संपन्न हुए भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका चुनावों के बाद रविवार देर रात झड़पें हुईं।

पूर्व महापौर एवं कोनार्क विकास आघाडी के पदाधिकारियों विलास पाटिल और उनकी पत्नी प्रतिभा पाटिल के बंगले पर रविवार रात करीब आठ बजे भीड़ ने कथित तौर पर हमला कर दिया तथा तोड़फोड़ की। पुलिस के मुताबिक, दंपति और उनके परिवार के सदस्यों समेत कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि इसके जवाब में विलास पाटिल के समर्थकों ने भिवंडी के शिवाजी चौक इलाके में भाजपा विधायक महेश चौगुले के कार्यालय में कथित तौर पर पथराव किए और तोड़फोड़ की, जिसके बाद पुलिस को व्यवस्था बहाल करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर सोमवार को कई लोगों के खिलाफ पांच मामले दर्ज किए गए।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक 44 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 60 लोगों की पहचान की गई है जबकि 500 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ पांच मामले दर्ज किए गए हैं। ठाणे के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने सोमवार को भिवंडी का दौरा किया और स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की और कहा कि सार्वजनिक शांति भंग करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शहर में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई है और फोरेंसिक टीम सबूत जुटा रही हैं।

भिवंडी बार एसोसिएशन के कुछ अधिवक्ताओं ने विलास पाटिल के आवास का दौरा किया और उनके तथा उनके परिवार के प्रति एकजुटता व्यक्त की। विलास पाटिल एक अधिवक्ता भी हैं।

पुलिस ने बताया कि इस प्रतिद्वंद्विता की जड़ें पिछले राज्य विधानसभा चुनावों से जुड़ी हुई हैं और हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों के दौरान यह और भी तीव्र हो गई, जहां वार्ड नंबर 1 में कोनार्क विकास आघाडी के विलास पाटिल के नेतृत्व वाले संगठन का मुकाबला भाजपा विधायक महेश चौगुले के बेटे मीत चौगुले से हुआ।

# मालिक से ठगी, नौकर ने हड़प लिए 38 लाख रुपये

**ठाणे.** ठाणे जिले में एक 35 साल के व्यक्ति के खिलाफ अपने पूर्व मालिक से 38.61 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी ने बताया कि आरोपी प्रकाश जब्बर सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316(2) (आपराधिक विश्वासघात) और 318(4) (धोखाधड़ी) के तहत जनवरी से अक्टूबर 2024 के बीच हुई धोखाधड़ी के लिए फर्स्ट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (FIR) दर्ज की गई है.

अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता, जो एक तेल व्यापारी है. उसने आरोप लगाया है कि सिंह ने उसके लिए काम करते समय 10 महीने की अवधि में उसकी कंपनी के पैसे और सामान को सिस्टमैटिक तरीके से हड़प लिया. अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता के ग्राहकों से 23.56 लाख रुपये के प्रोडक्ट खुद ले लिए और अपने खुद के किराना स्टोर में बेचने के लिए 15 लाख रुपये का सामान खरीदा.

सिंह ने कथित तौर पर 38.61 लाख रुपये का गबन किया है. अधिकारी का कहना है कि जांच चल रही है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है. मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

## मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के तहत

# ठाणे जिले के गांवों में सेलिब्रिटी का दौरा

**ठाणे.** राज्य सरकार के "मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान" को अच्छे से लागू करने और गांव लेवल पर बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने के लिए जिला परिषद ठाणे ने सेलिब्रिटी के दौरे किए।इस अभियान को बढ़ावा देने और जागरूकता फैलाने के लिए, अभिनेत्री शिवाली परब और अभिनेता पृथ्वी प्रताप ने ठाणे जिले के अलग-अलग तहसीलों के गांवों का दौरा किया। इसी के तहत 18 जनवरी को भिवंडी तहसील के दोहले, शहापुर तहसील के भावसे-खोस्ते और मुरबाड़ तहसील के खेवारे में जोश के साथ के दौरे के प्रोग्राम चलाए गए।इस अवसर पर अभिनेत्री शिवाली परब ने गाइडेंस देते हुए कहा कि गांव के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान चलाया जा रहा है और हर गांव वाले को इस योजना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने गांव वालों से अपील की कि वे कॉम्पिटिशन के तरीके से चलाए जा रहे इस कैंपेन में हिस्सा लें और इनाम जीतें।अभिनेता पृथ्वी प्रताप ने गांव वालों को कहा कि गांव के हर तबके तक अलग-अलग सरकारी स्कीम पहुंचाने के मकसद से मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सलाह दी कि ऑफिसर और एम्प्लॉई स्कीम को अच्छे से लागू कर रहे हैं और गांव वालों को इस कैंपेन में बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर अपने गांवों को खुशहाल बनाने की पहल करनी चाहिए।जिला परिषद के मुख्यकार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने मौजूद लोगों को गाइडेंस देते हुए कहा कि एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम गांव वालों को एजुकेशन, हेल्थ, सैनिटेशन, वॉटर सप्लाई वगैरह जैसी बेसिक सुविधाएं देने के लिए तैयार है। उन्होंने गांव वालों से अपील की कि वे मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के तहत अलग-अलग एक्टिविटी में बड़ी संख्या में हिस्सा लें और एक खुशहाल गांव बनाने के लिए आगे आएं।

# दो देसी पिस्तौल व कारतूस बरामद, नाबालिग हिरासत

**ठाणे.** ठाणे शहर में पुलिस ने एक नाबालिग लड़के को उसके पास से दो देसी पिस्तौल और कुछ कारतूस बरामद करने के बाद हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने एक सूचना के आधार पर रविवार को वागले एस्टेट इलाके में एक फुटपाथ से नाबालिग को पकड़ा।

जबरन वसूली विरोधी प्रकोष्ठ के सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील तरमाले ने बताया कि तलाशी लिए जाने पर लड़के के पास से दो देसी पिस्तौल और चार कारतूस बरामद हुए, जिनकी कीमत 2.14 लाख रुपये है। उसके पास कोई वैध लाइसेंस नहीं था और वह हथियारों को अवैध तरीके से कथित तौर पर बेचने की योजना बना रहा था।

पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के चित्रकूट निवासी इस लड़के को संरक्षण गृह में भेज दिया गया है। पुलिस ने उसकी उम्र नहीं बताई।

पुलिस ने शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

तरमाले ने कहा, ''हथियारों के स्रोत का पता लगाने और अवैध रूप से हथियारों की खरीद तथा बिक्री में शामिल किसी भी व्यापक नेटवर्क की पहचान करने के लिए जांच की जा रही है।''

# नवनिर्वाचित नगरसेवकों से मुलाकात

**ठाणे.** मनपा चुनाव में नवनिर्वाचित नगरसेवकों एवं नगरसेविकाओं ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से मुलाकात की। इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर परिषा प्रताप सरनाईक, विक्रांत संजय टंडेल, अनीता राम ठाकुर, सिद्धार्थ दिलीप ओवलेकर, मुकेश मधुकर मोकाशी, स्नेहा रमेश आम्ब्रे, आशादेवी शेरबहादुर सिंह, सुलेखा चव्हाण, जयश्री जेरी डेविड, सीताराम बाजी राणे, वनिता संदीप घोगरे, सरिता दिगंबर ठाकुर, प्रशांत (राजा) जाधव, विमल भोईर, कल्पना पाटिल, राजू फाटक, वैभव सदाशिव कदम, उषा संजय भोईर, सपना भूषण भोईर, देवराम लक्ष्मण भोईर, संजय देवराम भोईर, शीतल संतोष धमाले, कंचन विजय चिंदरकर, राकेश विजय शिंदे, दिलीप चंद्रकांत बारटक्के, पवन कदम, अनिल भोर, गणेश कांबले सहित नए चुने गए सरकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।इस मौके पर युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक मौजूद थे।

### वाढवण बंदरगाह समेत अन्य प्रोजेक्ट का विरोध

**पालघर.** पालघर में वाढवण बंदरगाह समेत अन्य प्रोजेक्ट विरोध में मार्क्सिस्ट कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अन्य संगठनों ने लॉन्ग मार्च निकाल कर विरोध किया. चारोटी नाका से जिला कलेक्टर कार्यालय तक निकाले गए इस मार्च की वजह से पूरी सड़क लाल झंडों व बैनर से पट गई. मोर्चे में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली है. हालांकि इस मार्च को कलेक्टर ऑफिस पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया. ये सभी लोग वाढवण और मुरबे बंदरगाह परियोजनाओं को रद्द करने की मांग कर रहे हैं. इस मार्च में करीब 50 हज़ार नागरिकों ने हिस्सा लिया है.

# काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह का नूतनीकरण

- कलाकारों और दर्शकों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी

**ठाणे.** शहर स्थित डॉ काशीनाथ घाणेकर के नुतनिकरण काम किया जाएगा। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिए हैं कि यह काम करते समय कलाकारों और दर्शकों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए नाट्यगृह कलाकारों से बातचीत में उनकी ज़रूरत की सुविधाओं को शामिल किया जाए, और कार्रवाई करने से पहले दर्शकों की सुविधाओं पर भी विचार किया जाए उन्होंने स्पष्ट किया।नाट्यगृह नुतनिकरण के लिए सरकार से फंड मिल गया है, और आयुक्त सौरभ राव ने मंगलवार को इस फंड के तहत हो रहे काम का रिव्यू किया। इस मीटिंग में अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी,अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे,उपायुक्त उमेश बिरारी, दिनेश तायडे, इंजीनियर सुधीर गायकवाड़, विनोद पवार, विकास ढोले, शुभांगी केसवानी और दूसरे अधिकारी मौजूद थे।नाट्यगृह के मुख्य ऑडिटोरियम में ज़रूरी मरम्मत के काम को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। ऑडिटोरियम में वॉटरप्रूफिंग, प्लंबिंग, बिजली का काम, लाइट फिटिंग, साउंड सिस्टम, एयर कर्टेन, एयर कंडीशनिंग सिस्टम, स्टेज की मरम्मत, रूफ गार्डन,वीआईपी रूम में पर्दे बदलने और टॉयलेट को बेहतर बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।इसके अलावा, ड्रेनेज लाइनों की मरम्मत, स्टेज पर लकड़ी के लेवल का जीर्णोद्धार, नाटकों के विज्ञापनों के लिए बिलबोर्ड को डिजिटल रूप में बनाना,नाट्यगृह के मुख्य और अन्य प्रवेश द्वारों का निरीक्षण करना और आवश्यक बदलाव करना आदि पर भी बैठक में चर्चा की गई।आयुक्त सौरभ राव ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार से मिले फंड का इस्तेमाल नाट्यगृह की मरम्मत और सुधार के कामों के लिए ही किया जाना चाहिए।

# तलाक की खबरों पर नेहा कक्कड़ ने तोड़ी चुप्पी

- कहा- मेरे पति और परिवार को इसमें मत घसीटो
- एक दिन पहले रिश्तों से ब्रेक लेने की बात कही थी

नेहा कक्कड़ अपनी उस पोस्ट से विवादों में आ गईं, जिसमें उन्होंने कहा कि वो सभी रिश्तों से ब्रेक ले रही हैं। इसके बाद से ही उनके तलाक की खबरें सुर्खियों में आ गईं। हालांकि अब सिंगर ने खुद साफ किया है कि वो तलाक नहीं ले रहीं। इसके अलावा उन्होंने इस मामले में परिवार को न घसीटे जाने की अपील की है।

नेहा कक्कड़ ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, दोस्तों, प्लीज मेरे मासूम पति और मेरे प्यारे परिवार को इस सब में मत घसीटिए। वे सबसे पवित्र दिल वाले लोग हैं जिन्हें मैं जानती हूं, और आज मैं जो भी हूं, वह उनके सपोर्ट की वजह से हूं।

आगे नेहा ने लिखा है, मुझे कुछ और लोगों और सिस्टम से परेशानी है, उसी बात से मैं दुखी हूं। उम्मीद है आप समझेंगे और मेरे पति और मेरे परिवार को इससे दूर रखेंगे। और हां, मैं मानती हूं कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करते समय मुझे इतना भावुक नहीं होना चाहिए था, क्योंकि लोग बहुत अच्छे से जानते हैं कि "राई का पहाड़ कैसे बनाया जाता है।" सबक मिल गया।

आखिर में सिंगर ने लिखा, अब मैं अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात नहीं करूंगी, भाईसाहब। बेचारी इमोशनल नेहू इस दुनिया के लिए बहुत ज्यादा इमोशनल है। सॉरी और धन्यवाद मेरे नेहार्ट्स। चिंता मत करो, मैं जल्द ही धमाकेदार वापसी करूंगी। ढेर सारा प्यार।

# IGM उप जिला अस्पताल में सिकलसेल एनीमिया का विशेष अभियान शुरू

**भिवंडी.** स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में 15 जनवरी से 7 फरवरी तक अरुणोदय-सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियान सप्ताह का आयोजन किया गया है.कार्यक्रम का उद्घाटन अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. माधवी पंदारे ने डॉ. गुलफाम शेख और डॉ. इज़हार अंसारी, श्रीमती हेमलता जाधव, अश्विनी नाडे, प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारियों देवीदास शेटगे, राजेंद्र शिंदे और अन्य की उपस्थिति में आयोजित किया गया था.

इस सप्ताह सिकलसेल रक्त परीक्षण, सिकल सेल परामर्श और विवाह पूर्व सिकलसेल परामर्श आयोजित किए जाएंगे. अस्पताल के गैर-संचारी रोग विभाग के अंतर्गत किशोर लड़के-लड़कियों को सिकलसेल के बारे में परामर्श दिया जाएगा. स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में सभी गर्भवती महिलाओं का सिकल सेल रक्त परीक्षण किया जाता है और 0 से 40 वर्ष की आयु के नागरिकों से सक्रिय रूप से भाग लेने और अपना रक्त परीक्षण करवाने का आग्रह किया जाता है. अस्पताल का प्रयोगशाला विभाग और महालैब इस अभियान के लिए तैयार हैं. अस्पताल की चिकित्सा निदेशक,डाक्टर माधवी पंदारे ने नागरिकों से चिकित्सा लाभ उठाने की अपील की है.

# पुलिस बनकर 13 लाख की लूट, 3 गिरफ्तार

**मुंबईः** देवनार पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को फिल्मी स्टाइल में दौड़कर पकड़ा है. जो पुलिस अधिकारी बनकर कथित तौर पर 13 लाख रुपये लूटकर फरार हो रहे थे. पुलिस निरीक्षक विजयकुमार अंबरगे ने आरोपियों की पहचान, प्रवीण शिवनारायण पांडे (32), निसार अहमद उर्फ सलीम शेख (46) और संजय कुमार जगन्नाथ दुबे (59) के रूप में की है. इन्होने बताया कि, दुबे पहले भी फर्जी टीसी (टिकट चेकर) बनकर लोगों को लूटने के आरोप में पकड़ा गया है. ये लोग नकली गोल्ड बेचने और पैसे छीनने वाली गैंग के है आगे की जांच जारी है.

सहायक पुलिस इंस्पेक्टर कुणाल बागुल के अनुसार, यह घटना गोवंडी के कर्बला मस्जिद स्थित केडी जंक्शन के पास घटी. वहाँ एक एर्टिगा कार में सवार लोग पुलिस की लाठी लिए हुए दूसरे वाहन में सवार एक व्यक्ति से बहस करते नजर आए. सूचना मिलते ही देवनार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पांडुरंग यादव और सहायक पुलिस निरीक्षक (डिटेक्शन) कैलास सोनवणे जांच दल के साथ मौके पर पहुंचे. पूछताछ के दौरान पता चला कि अर्टिगा कार का चालक पांडे घाटकोपर के कामराज नगर का निवासी है, शेख मालाड पश्चिम के मालवानी का रहने वाला है और दुबे भी घाटकोपर का ही निवासी है.

इसी दौरान शिकायतकर्ता, 58 वर्षीय अनीता जोस मिरांडा (जो वसई पश्चिम के रिवेरा टावर्स की सेवानिवृत्त निवासी हैं) ने खुद को पुलिस के सामने पेश किया और बताया कि आरोपियों ने उनके पैसे लूटकर भागने की कोशिश की थी. मिरांडा ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने पुलिस अधिकारी बनकर उनसे जबरन 13 लाख रुपये लूट लिए थे और वे फरार हो रहे थे. पुलिस ने आरोपियों के पास से पूरी रकम बरामद कर ली है. आगे की जांच में पता चला कि अपराध में इस्तेमाल की गई एर्टिगा कार में फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी.

## अक्षय कुमार कार एक्सीडेंट मामला

# मर्सिडीज ड्राइवर पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का केस दर्ज

**मुंबई.** बीती रात अक्षय कुमार के सुरक्षा काफिले में चल रही एक कार और ऑटो की टक्कर हो गई थी, जिससे कार पलट गई थी। अब मुंबई पुलिस ने इस मामले में तेज रफ्तार कार के चालक को हिरासत में ले लिया है। जुहू पुलिस स्टेशन ने कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है।

मुंबई पुलिस के अनुसार, दो कारों और एक ऑटो-रिक्शा की टक्कर में दो लोग घायल हो गए। आरोपी की पहचान राधेश्याम राय के रूप में हुई है। अब पुलिस ने उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए) और 125(बी) के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच दुर्घटनास्थल से वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिनमें स्थानीय लोग अधिकारियों को मलबे से एक घायल व्यक्ति को सुरक्षित निकालने में मदद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऑटो-रिक्शा चालक को भी चोटें आई हैं और उसके भाई के अनुसार उसकी हालत गंभीर है।

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
उल्हास वि NEWS GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास वि NEWS Subscribe

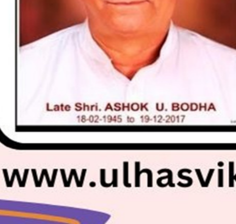

Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)


यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099